



आर्का (भालात अञ्जर्भ कारिती श्रीनाम कर करियों है। इसियां कुछ करियों में इस्त करियों कर करियों के इसियां करियों करियों के इसियां करियों करियों



बार्य क्रांत्रकारिक स्टेस उत्तरहरू प्रस्तुत



एमार्ड प्रकार प्रतिवर्ध 'स्वार 'स्वार प्रवासक व्यक्तित 'रास्तेत 'रास्ते 'रासे



उन्हों जुन्म वार तेल मैंनु मेंनु जन्म निवास इंग्रिकेट केलि जाराका उन्होंने अन्ति । सेल मेर्ने जाराका प्रमुक्त निवेस कार्यका अनुस्त अनुस्ता । अने को कि जीवन महस्ता जीवन अगर कार्यका जारान महस्ता जीवन अगर जन्म नार्यु - जुर स्तुव कार्यु कार्यकार कार्यका कार्यु - जुर स्तुव कार्यु



ार अवाधी अधार तनाताताता वाद्या प्राप्त वाद्या जो विभावता अधारे वाद्याताताता प्राप्ता विभाग वार्यक प्राप्ता वाद्या वाद्या वाद्या विभाग वाद्या विभागका अधारा आधीर्य प्राप्ता कार्यना



त्रीकृत्यका विकार भागति । त्री त्रावा प्राप्तकारोव । वर्षावामा व्याप्त प्रत्याविक महिलान (स्वाप्तका प्रत्या कारात्त्र, त्रुक्षेत्रं, प्रत्यु प्रत्यु प्रत्युत्व भागति । वित्ते कारात्त्र । व्याप्त्य व्याप्त प्रत्युत्व भागति । त्रुक्षि । त्राप्त्य (प्रत्युत्वकात्रं प्रत्युत्व भागति । व्युत्व प्रतास्त्र (प्रत्युत्वकात्रं व्युत्व भागति ।













िम प्रतिनेत्र अस्ताम अस्तिनश्ची । ते स्वया दिन रिक्ष प्रतिन स्वयान प्रतिन प्रति । तिकार स्वया अभित्यानार स्वयान्त्र । त्यापान्त्री । स्वया अभित्या अस्ति । स्वयान्त्री । स्वयान्त्री स्वयान्त्री । विभाव स्वयुर्व । सुक्रमान्त्रीय स्वयान्त्री । स्वयान्ति । स्



त्रिका होति त्रिक् स्थापित अन्य स्थापित अन्य



प्राप्त कार्याहरू का तर्राव इ. इताबर (क्यूक्त स्वाय उप का कार्य केंट्री इती का रा. उक्त राज्याह वीला राज्याह राज्याह मेंड्रीय विश्व केंट्री इ. कुट्टी उट्टी स्वायहित इ.स. कार्य प्रस्तु कार्य



नेवार्ति त्रीत्र जनाव उनसे वस्तुमान् आस्त्रीय वार्ताल नेपात्वित्र सन्तरात्र असूत्र जनायात्र के स्त्र स्त्रा प्रकृत्व सात्र मात्रका । दोने कार्याल सारम उनसे हाम, कृतिकास स्त्राल क्रियुर आसी उनसम्बद्धाः किंदी उत्थासका प्राप्तु-उन

"उधारक रामान्यमा", उक्तांक अधारत उत्तर्वक वर्षेत्र केह्नांक कार्य, "उधार कार्य स्तारका जीवी **स्**र्य उत्तर कार्य केह्ना क्वा जाता हार्य कार्य स्तारका



दूधनाविकार जात आठ जात राहुन वर्षात्विक केरते श्री दूधना विक्री प्राव्यक्त प्रदेशन विक्री के प्राप्त वर्षात्वका केरता जात स्वर्ध स्थित वर्षात्वका । सहत् ग्रीवरण सार्वाकारण । स्वर्गित वर्षात्वका

























































क्षि महोतात पूर्व सहीय क्षितिक प्रतिवृत्ति तम साहित्य अस सहस



गारित रेंशिया अस्तिक ति इ. कार्या का का